Azadi Ka Amrit Mahotsav
कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम
'आंवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी'
दिनांक : 07.02.2022
पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

07.02.2022

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम
'आंवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी'

- □□□□□□□□□□ □□□ □□□□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□

माघ मेला प्रयागराज – 2022
वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर
पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र (भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)
F
R
F
R

□□□□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम
'आंवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी'
: 07.02.2022
अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज
2022/2/7 15:03

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम
'आंवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी'
दिनांक : 07.02.2022
REDMI NOTE 6 PRO
MI DUAL CAMERA

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम
'आंवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी'
दिनांक : 07.02.2022
पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)
2022/2/7 15:06

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम
'आंवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी'
दिनांक : 07.02.2022
पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)
2022/2/7 15:25

FRCER
भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद
INDIAN COUNCIL OF FORESTRY RESEARCH AND EDUCATION
वनस्पतयः शान्तिः
AYAGRAJ

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम
'आंवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी'
दिनांक : 07.02.2022
पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज

FOREST RESEARCH CENTRE FOR ECO-REHABILITATION
PRAYAGRAJ
पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र
प्रयागराज

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम
'आंवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी'

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम
'आंवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी'
दिनांक : 07.02.2022
मृदा-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम
'आंवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी'
दिनांक : 07.02.2022
पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम
दिनांक : 07.02.2022

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम
'आंवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी'
दिनांक : 07.02.2022
पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र, प्रयागराज
(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

कृषिवानिकी अपनाएँ - दोगुनी आय बढ़ाएँ
कृषि वानिकी - उत्पादों का विपणन

FOREST RESEARCH CENTRE FOR ECO-REHABILITATION
PRAYAGRAJ
ऊसर भूमि सुधार

गम्हार (सफेद सागौन) - कृषि वानिकी हेतु
एक बहुद्देशीय वृक्ष
परिचय -
2022/2/7 13:17

गम्हार (सफेद सागौन) - कृषि वानिकी हेतु
एक बहुद्देशीय वृक्ष
परिचय -
गम्हार आधारित कृषि वानिकी -
आर्थिकी -
पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज

Azadi Ka Amrit Mahotsav
पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र प्रयागराज
आंवला की खेती - कृषकों हेतु वरदान

आंवला व गम्हार आधारित कृषि वानिकी पर चर्चा

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र में पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर में सोमवार को आंवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन हुआ। जिसमें कृषि वैज्ञानिकों ने वानिकी के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। इसके पहले कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम आयोज डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने सभी को कार्यक्रम के विषय की जानकारी दी।

प्रशिक्षण में आंवला व गम्हार आधारित कृषि वानिकी पर की चर्चा

वन अनुसंधान केंद्र की ओर से दिया गया प्रशिक्षण

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र में पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर में सोमवार को ऑंवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन हुआ। जिसमें कृषि वैज्ञानिकों ने वानिकी के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। इसके पहले कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम आयोज डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने सभी को कार्यक्रम के विषय की जानकारी दी। केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने स्वागत भाषण देते हुए वानिकी के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने हेतु विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की। बताया कि इस क्षेत्र में गम्हार और ऑंवला आधारित कृषि वानिकी में अपार संभावनाएं हैं। जिन्हें कृषकों को अपनाना होगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपने विचार रखते हुए केंद्र की वरिष्ठ

वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषि वानिकी की संभावनाओं की सभी को जानकारी देते हुए इसके उपयोग पर विस्तार से चर्चा की। अतिथि वक्ता के रूप में मौजूद असिस्टेंट प्रोफेसर वानिकी, शुआट्स डॉ. हेमंत कुमार ने ऑंवला आधारित कृषि वानिकी के अवसर एवं संभावना पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। प्रशिक्षण में मौजूद कृषकों तथा अन्य लोगों के सामूहिक चर्चा तथा पारस्परिक संवाद के बीच कृषि में आने वाली समस्याओं पर चर्चा हुई। आखिर में डॉ. सत्येंद्र देव शुक्ल ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दुबे तथा आलोक यादव, शोध छात्र योगेश अग्रवाल, शशि प्रकाश, अमन मिश्रा समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

□□□ □□□□□ □□□□□□ 09/02/2022 □□□ □□□□□ (□□□□ □□□□□)
□□□□□□ 09/02/2022

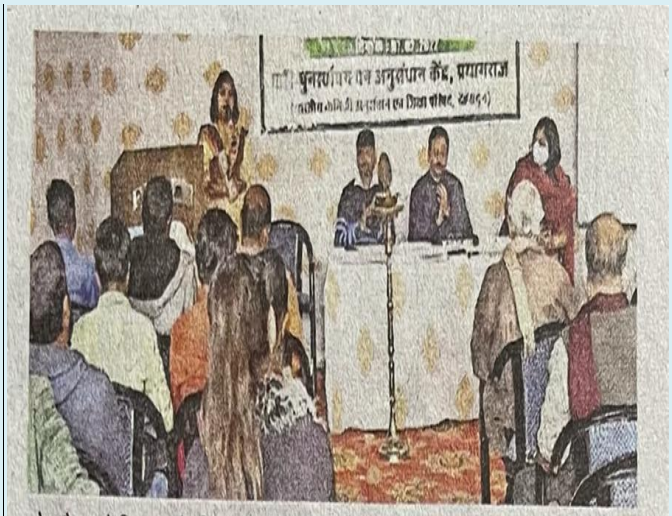

परेड मैदान में किसान गोष्ठी को संबोधित करतीं डा. अनुभा श्रीवास्तव ● साभार : विभाग

किसानों को आय बढ़ाने के दिए गए टिप्स

जासं, प्रयागराज : पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से माघ मेला क्षेत्र में आंवला तथा गम्हार आधारित कृषि वानिकी विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परेड मैदान में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक डा. अनुभा श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के विषय व किसानों की आय बढ़ाने में कार्यक्रम के महत्व से अवगत कराया। केंद्र प्रमुख डा. संजय सिंह ने वानिकी के माध्यम से किसानों की आय को बढ़ाने हेतु विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की व कृषिवानिकी को बढ़ाने पर बल दिया। इस दौरान मुख्य रूप से डा. हेमंत कुमार, डा. सत्येन्द्र देव शुक्ला, डा. कुमुद दुबे, आलोक यादव, योगेश अग्रवाल, शशि प्रकाश, अमन मिश्रा, आशीष, राहुल अन्य मौजूद रहे।

कृषिवानिकी को बढ़ावा देने के लिए किसानों का एक दिवसीय प्रशिक्षण

प्रयागराज। पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा माघ मेला स्थित वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर में सोमवार को 'आँवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी' पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम आयोजक डॉ अनुभा श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के विषय से अवगत कराया तथा किसानों की आय बढ़ाने में कार्यक्रम के महत्व से अवगत कराया। केन्द्र प्रमुख डॉ संजय सिंह ने वानिकी के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने हेतु विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की तथा कृषिवानिकी को बढ़ाने पर बल दिया। उन्होंने बताया इस क्षेत्र के लिए गम्हार और आँवला आधारित कृषिवानिकी में अपार सम्भावनाएं हैं। जिन्हें कृषकों को अपनाना होगा। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अनीता तोमर ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषिवानिकी की सम्भावनाओं से अवगत करते हुए इसके उपयोग पर विस्तृत चर्चा की। अतिथि वक्ता के रूप में डॉ हेमंत कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, वानिकी, शुआट्स ने आँवला आधारित कृषिवानिकी के अवसर एवं सम्भावना पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में आँवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी पर चर्चा करते हुए इसकी उपयोगिता तथा लाभ पर प्रकाश डाला। अंत में उपस्थित कृषकों तथा अन्य लोगों से सामूहिक चर्चा तथा पारस्परिक संवाद स्थापित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ सत्येन्द्र देव शुक्ला ने किया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ कुमुद दुबे तथा अलोक यादव के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोधछात्र योगेश अग्रवाल, शशि प्रकाश, अमन मिश्रा, आशीष, राहुल तथा केन्द्र के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

कृषिवानिकी को बढ़ावा देने के लिए किसानो को एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

प्रयागराज। पारिपुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा माघ मेला स्थित वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर में आँवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी ' विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आरम्भ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम आयोजक डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के विषय से अवगत कराया तथा किसानो की आय को बढ़ाने में कार्यक्रम के महत्त्व से अवगत कराया। केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह ने स्वागत भाषण में वानिकी के माध्यम से किसानो की आय को बढ़ाने हेतु विभिनन्-बिन्दुओ पर चर्चा की तथा कृषिवानिकी को बढ़ाने पर बल दिया। डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में आँवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी पर चर्चा करते हुए इसकी उपयोगिता तथा लाभ पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित कृषको तथा अन्य लोगों से सामूहिक चर्चा तथा पारस्परिक संवाद स्थापित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डा0 सत्येन्द्र देव शुक्ला, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ0 कुमुद दुबे तथा अलोक यादव के साथ विभिनन् परियोजनाओं में कार्यरत शोधछात्र-योगेश अग्रवाल, शशि प्रकाश, अमन मिश्रा, आशीष, राहुल तथा केन्द्र के अन्य कर्मचारी साथ आदि उपस्थित रहे।

□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□□ 08/02/2022

किसानों की आय बढ़ाने के बताये मंत्र

प्रयागराज (पंजाब केसरी): पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा माघ मेला स्थित वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर में आज आंवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आरम्भ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम आयोजक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के विषय से अवगत कराया तथा किसानों की आय को बढ़ाने में कार्यक्रम के महत्त्व से अवगत कराया। केन्द्र प्रमुख डा. संजय सिंह ने स्वागत भाषण में वानिकी के माध्यम से किसानों की आय को बढ़ाने के लिये विभिन्न बिन्दुओ पर चर्चा की। बताया इस क्षेत्र के लिए

कार्यक्रम को संबोधित करतीं वक्ता।

गम्हार और आंवला आधारित कृषिवानिकी में अपार सम्भावनाएं हैं जिन्हें कृषकों को अपनाना होगा। डॉ. अनीता तोमर ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषिवानिकी की सम्भावनाओं से अवगत करते हुए इसके उपयोग पर विस्तृत चर्चा की। अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. हेमंत कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, वानिकी, शुआट्स ने आंवला आधारित कृषिवानिकी के अवसर एवं संभावना पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया।

□□□□□ □□□□□ □□□□□□ 08.02.2022

प्रयागराज 3
अमृत प्रभात
प्रयागराज, मंगलवार, 8 फरवरी 2022

प्रयागराज (नि.सं.)। प्राचार्य, ईश्व
जानकारी देते हुए कॉलेज प्रशास
विभागवार कटऑफ मेरिट के 3
अनुसूचित जाति तथा प्रवेश
अभ्यर्थी, प्राचीन इतिह
स्त्रातजिक अध्य
अलावा मध्य
प्रवेश प
पि

कृषि वानिकी को बढ़ावा देने को किया प्रशिक्षित

प्रयागराज (नि.सं.)। पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा माघ मेला स्थित वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर में आज आंवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आरम्भ किया गया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम आयोजक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के विषय से अवगत कराया तथा किसानों की आय को बढ़ाने में कार्यक्रम के महत्त्व बताये। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने स्वागत भाषण में वानिकी के माध्यम से किसानों की आय को बढ़ाने के लिये विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की। कृषिवानिकी को बढ़ाने पर बल दिया। उन्होंने बताया इस क्षेत्र के लिए गम्हार और आंवला आधारित कृषिवानिकी में अपार सम्भावनाएं हैं, जिन्हें कृषकों को अपनाना होगा। वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषिवानिकी की सम्भावनाओं से अवगत करते हुए इसके उपयोग पर विस्तृत चर्चा की। अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. हेमंत कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, वानिकी, शुआट्स ने आंवला आधारित कृषिवानिकी के अवसर एवं संभावना पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में आंवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी पर चर्चा करते हुए इसकी उपयोगिता तथा लाभ पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित कृषकों तथा अन्य लोगों से सामूहिक चर्चा तथा पारस्परिक संवाद स्थापित किया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. कुमुद दुबे तथा अलोक यादव के साथ विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत शोध छात्र योगेश अग्रवाल, शशि प्रकाश, अमन मिश्रा, आशीष आदि उपस्थित रहे।

, मंगलवार, 08 फरवरी, 2022
प्रयागराज 3

उतरा :

र परिवार के द्रार्थ नाथ मिले

कहा बुजुर्गों,माताओं, बहनों और भाइयों का प्रेम मिला,ऐसा लगा की मै खुद हर घर का सदस्य हूँ।उन्होंने ने कहा प्रगति, सुशासन,सुरक्षा के लिए सदा ही आपके बीच आता रहूंगा। बरवा गांव में स्थित शिव भगवान के मंदिर में दर्शन किया समृद्धि का आशीष मांगते हुए भरोसा दिलाया कि शहर पश्चिमी में अगले पांच सालों में गांव के अंदर विकास का खाका खिचूंगा।हमारे देश के उज्जवल भविष्यों से मिलकर मन आनंदित हुआ। बच्चों से मिलकर उनका मनोबल बढ़ाया और प्रोत्साहित किया। प्यारे बच्चों ने मतदान के प्रति अपने घरवालों को जागरूक करने का मुझसे वादा भी किया। शहर पश्चिमी की जनता पर विश्वास है कि पांच सालों में पहचान बदलने का निणन्य पर पुनः आशीर्वाद मिलेगा। बेनीगंज, कालाहांडा, करबला में घर घर संवाद कर जीत का आशीर्वाद मांगा। इस मौके पर विजय गुप्ता विजय सिंह अनिल महाजन खुशबू श्रीवास्तव चंपा सिंह ननकी देवी रूद्र सारांश अर्जुन कुमार रूपनारायण सरस्वती देवी नीलम श्रीवास्तव अजय श्रीवास्तव देवेंद्र शुक्ला सुनील कुमार लोहार शिखा प्रगति सुभाष शुक्ला विजय भार्गव हरीशचंद शर्मा गीता देवी इम्तियाज कुलदीप सुशीला राधेश्याम संदीप कुमार भट्ट गुलाब पिंकी कृष्णा मालती कमल मध्यान्ह रंजना गुप्ता इष्टिका श्रेया आदि ने शहर पश्चिमी को भारी मतों से कमल का फूल खिलाने का संकल्प लिया।

कृषिवानिकी को बढ़ावा देने के लिए किसानों का एक दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

कार्यालय संवाददाता

प्रयागराज। पारि - पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र द्वारा माघ मेला स्थित वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर में 'आँवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी 'ङ विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आरम्भ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा कार्यक्रम आयोजक डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के विषय से

अवगत कराया तथा किसानो की आय को बढ़ाने में कार्यक्रम के महत्त्व से अवगत कराया। केन्द्र प्रमुख डा0 संजय सिंह ने स्वागत भाषण में वानिकी के माध्यम से किसानो की आय को बढ़ाने हेतु विभिनन्न बिन्दुओ पर चर्चा की तथा कृषिवानिकी को बढ़ाने पर बल दिया। उन्होंने बताया इस क्षेत्र के लिए गम्हार और आँवला आधारित कृषिवानिकी में अपार सम्भावनाएँ हैं जिन्हें कृषकों को अपनाना होगा।केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनीता तोमर ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषिवानिकी की सम्भावनाओं से अवगत करते हुए इसके उपयोग पर विस्तृत चर्चा की। अतिथि वक्ता के रूप में डॉ0 हेमंत कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर, वानिकी, शुआट्स ने आँवला आधारित कृषिवानिकी के अवसर एवं संभावना पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में आँवला तथा गम्हार आधारित कृषिवानिकी पर चर्चा करते हुए इसकी उपयोगिता तथा लाभ पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित कृषको तथा अन्य लोगों से सामूहिक चर्चा तथा पारस्परिक संवाद स्थापित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डा0 सत्येन्द्र देव शुक्ला, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी द्वारा किया गया।